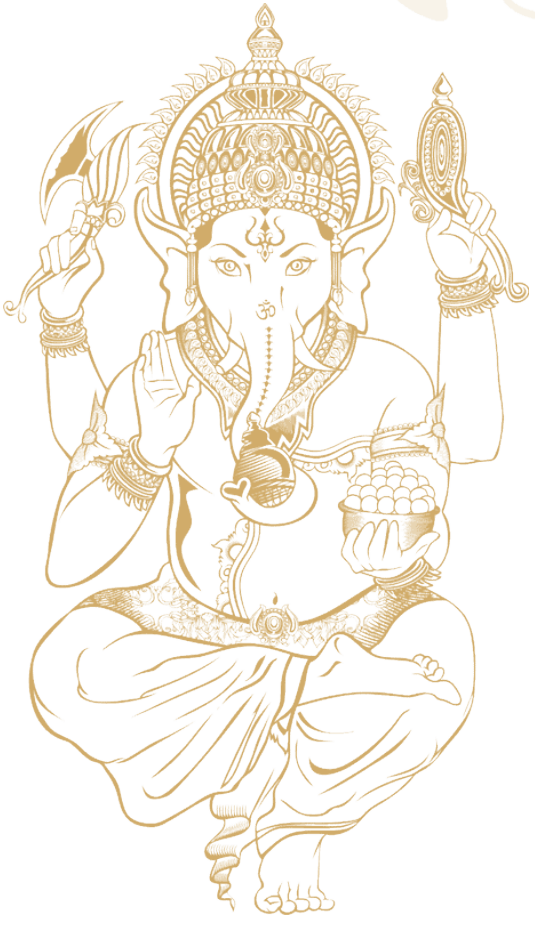

Niyati

22 Nov 2014

08:55 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121202204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/11/2014**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:55:00 घंटे**
इष्ट	35:17:18 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	00:35:01 घंटे
सूर्योदय	06:48:04 घंटे
सूर्यास्त	17:36:23 घंटे
दिनमान	10:48:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:10:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:13:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	24:13:22	315:05:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	06:10:38	01:00:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	07:40:43	13:32:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल			धनु	26:24:54	00:45:58	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	27:17:10	01:35:17	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	28:08:16	00:03:06	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	उच्च राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	13:16:28	01:15:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि		अ	वृश्चि	02:22:16	00:07:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	24:36:24	00:06:06	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	24:36:24	00:06:06	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	18:51:37	00:01:25	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	---
नेप			कुंभ	10:44:39	00:00:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:49:39	00:01:40	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			मीन	15:27:36	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:58

लग्न-चलित

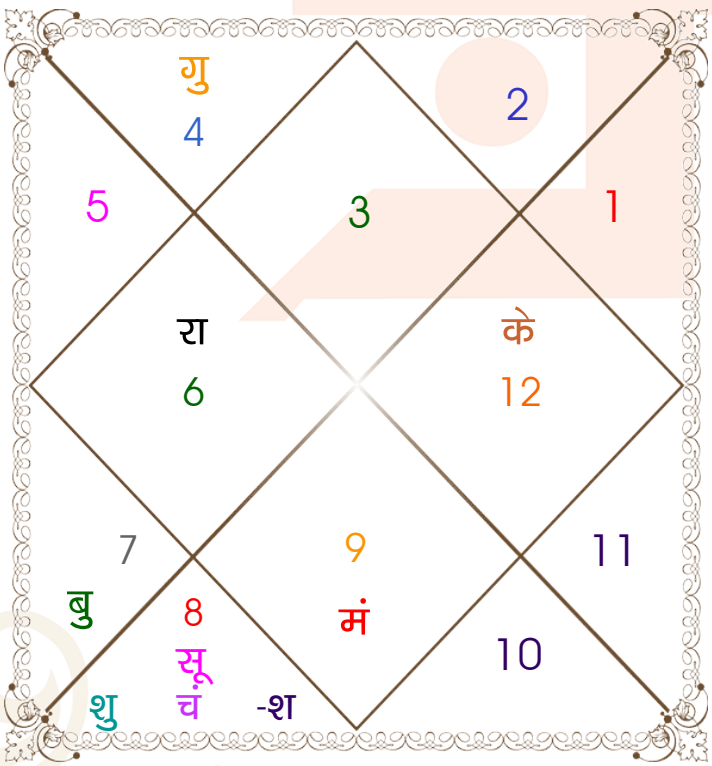

चन्द्र कुंडली

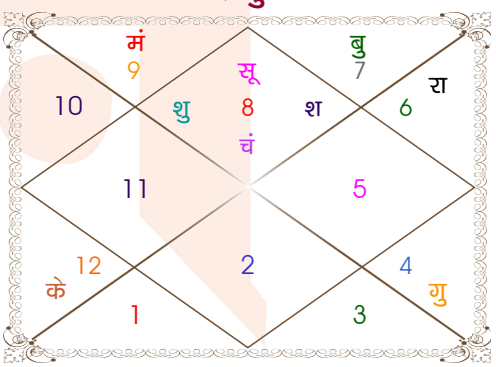

नवमांश कुंडली

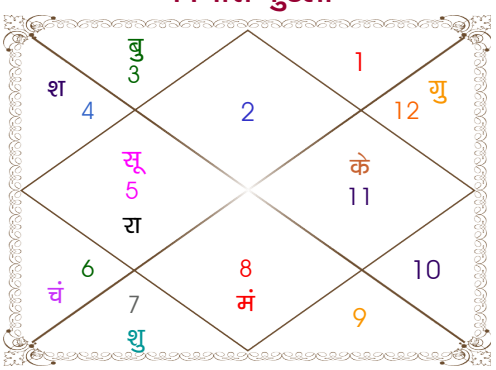

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 9 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/11/2014		13/09/2027		13/09/2044		13/09/2051		13/09/2071	
13/09/2027		13/09/2044		13/09/2051		13/09/2071		13/09/2077	
	00/00/0000	बुध	09/02/2030	केतु	09/02/2045	शुक्र	13/01/2055	सूर्य	01/01/2072
	22/11/2014	केतु	06/02/2031	शुक्र	11/04/2046	सूर्य	13/01/2056	चंद्र	02/07/2072
केतु	05/07/2015	शुक्र	07/12/2033	सूर्य	17/08/2046	चंद्र	13/09/2057	मंगल	07/11/2072
शुक्र	04/09/2018	सूर्य	14/10/2034	चंद्र	18/03/2047	मंगल	13/11/2058	राहु	01/10/2073
सूर्य	17/08/2019	चंद्र	14/03/2036	मंगल	14/08/2047	राहु	13/11/2061	गुरु	20/07/2074
चंद्र	17/03/2021	मंगल	11/03/2037	राहु	01/09/2048	गुरु	14/07/2064	शनि	02/07/2075
मंगल	26/04/2022	राहु	29/09/2039	गुरु	07/08/2049	शनि	13/09/2067	बुध	08/05/2076
राहु	02/03/2025	गुरु	04/01/2042	शनि	16/09/2050	बुध	14/07/2070	केतु	13/09/2076
गुरु	13/09/2027	शनि	13/09/2044	बुध	13/09/2051	केतु	13/09/2071	शुक्र	13/09/2077

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
13/09/2077		13/09/2087		13/09/2094		14/09/2112		14/09/2128	
13/09/2087		13/09/2094		14/09/2112		14/09/2128		00/00/0000	
चंद्र	14/07/2078	मंगल	10/02/2088	राहु	26/05/2097	गुरु	02/11/2114	शनि	18/09/2131
मंगल	12/02/2079	राहु	27/02/2089	गुरु	20/10/2099	शनि	15/05/2117	बुध	28/05/2134
राहु	13/08/2080	गुरु	03/02/2090	शनि	27/08/2102	बुध	21/08/2119	केतु	23/11/2134
गुरु	13/12/2081	शनि	15/03/2091	बुध	15/03/2105	केतु	27/07/2120		00/00/0000
शनि	15/07/2083	बुध	11/03/2092	केतु	03/04/2106	शुक्र	28/03/2123		00/00/0000
बुध	13/12/2084	केतु	07/08/2092	शुक्र	03/04/2109	सूर्य	14/01/2124		00/00/0000
केतु	14/07/2085	शुक्र	07/10/2093	सूर्य	25/02/2110	चंद्र	15/05/2125		00/00/0000
शुक्र	15/03/2087	सूर्य	12/02/2094	चंद्र	27/08/2111	मंगल	21/04/2126		00/00/0000
सूर्य	13/09/2087	चंद्र	13/09/2094	मंगल	14/09/2112	राहु	14/09/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली महिला हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगी। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाती हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगी। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहती हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत हो जाती हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देती हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरो की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करती हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता हैं। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नही करती परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहती हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगी। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगी। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे।

स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वांस नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें।

आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं। आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।